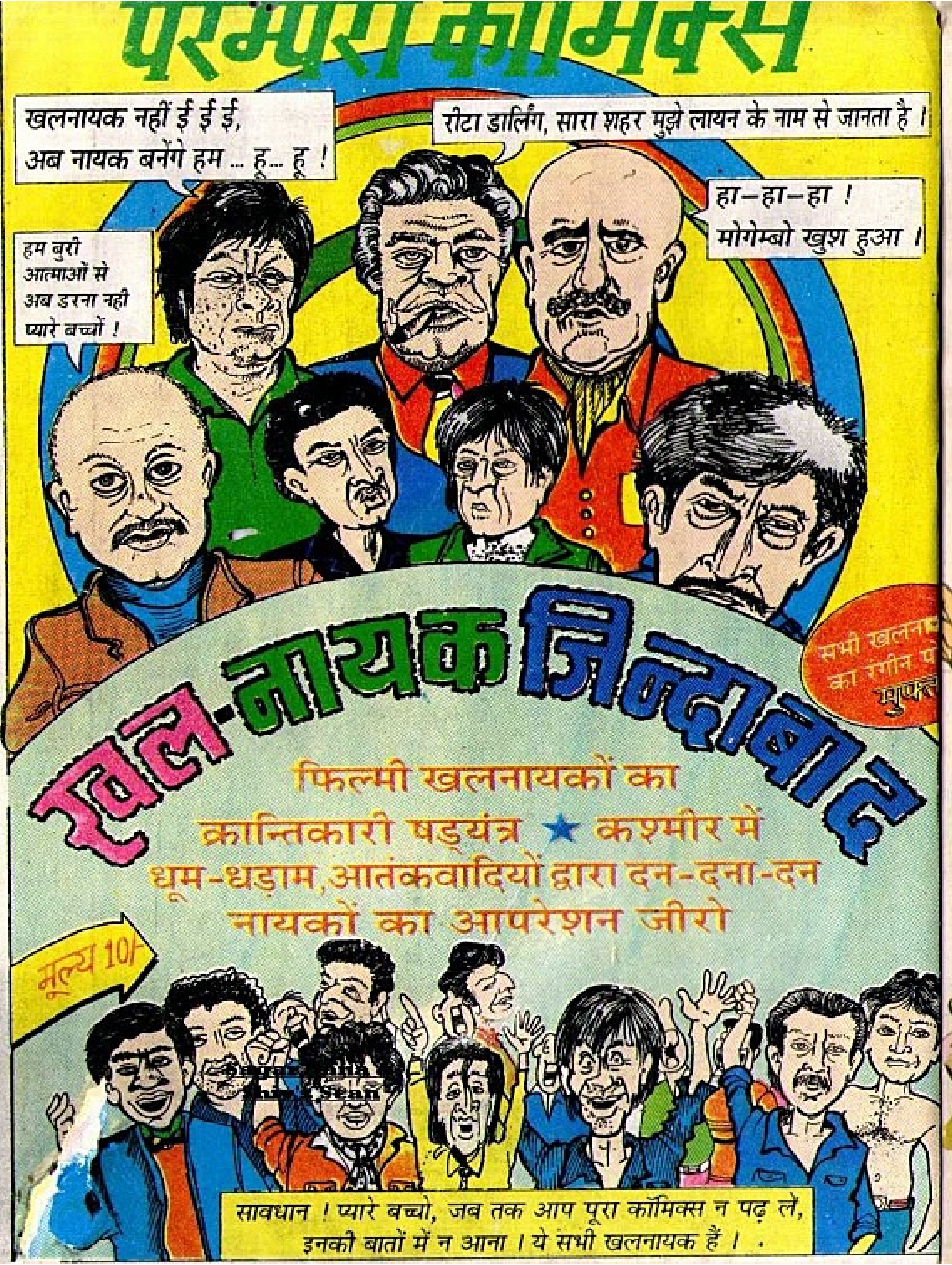
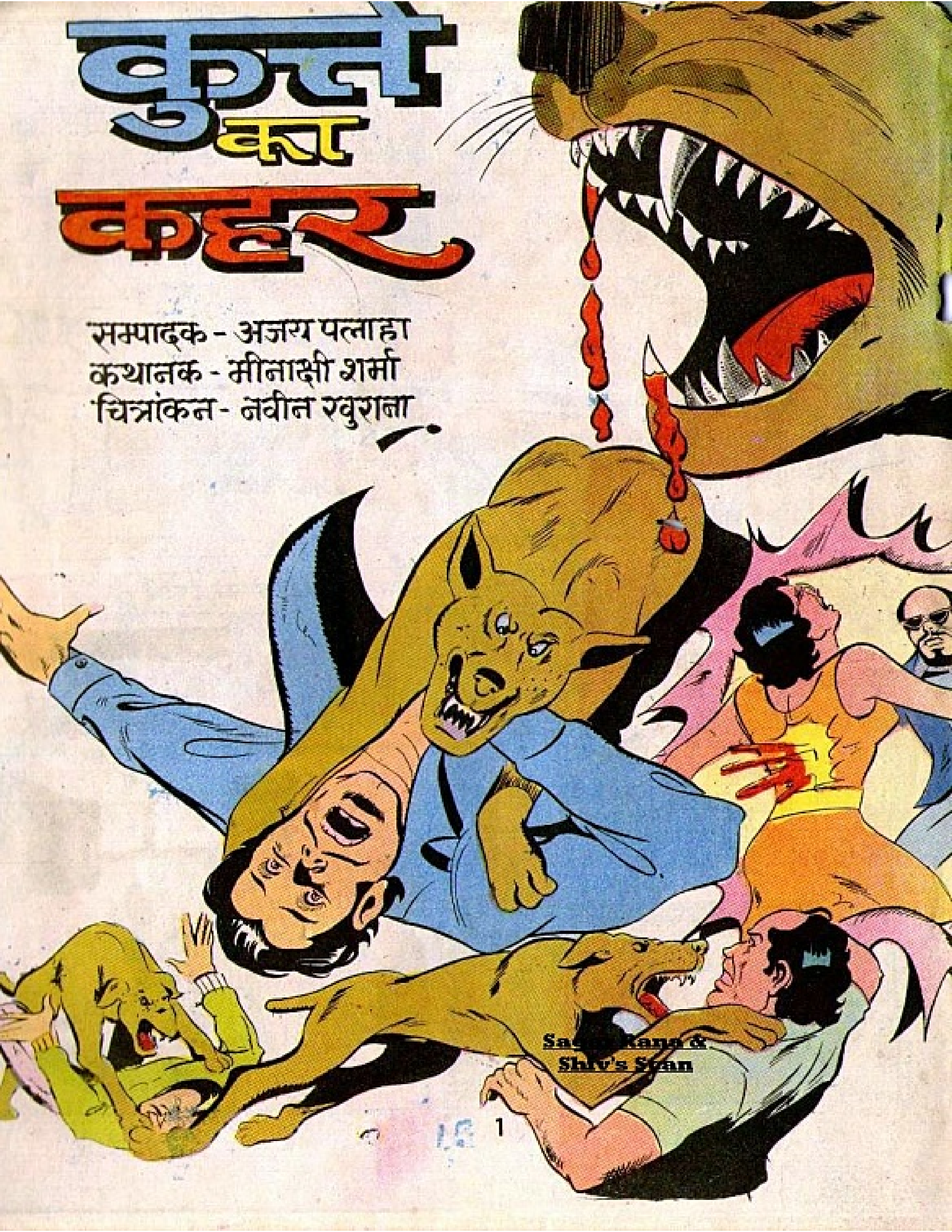

कुत्ते का कहर
संख्या 180 मूल्य 8/-
PREMCHAND



परम्परा कॉमिक्स
खलनायक नहीं ई ई ई, अब नायक बनेंगे हम ... हू... हू !
रीटा डार्लिंग, सारा शहर मुझे लायन के नाम से जानता है !
हा–हा–हा ! मोगेम्बो खुश हुआ !
हम बुरी आत्माओं से अब डरना नहीं प्यारे बच्चों !
खल-नायक जिन्दाबाद
फिल्मी खलनायकों का क्रान्तिकारी षड्यंत्र ★ कश्मीर में धूम-धड़ाम, आतंकवादियों द्वारा दन-दना-दन नायकों का आपरेशन जीरो
मूल्य 10/-
सावधान ! प्यारे बच्चो, जब तक आप पूरा कॉमिक्स न पढ़ ले, इनकी बातों में न आना । ये सभी खलनायक हैं ।

कुत्तों का कहर

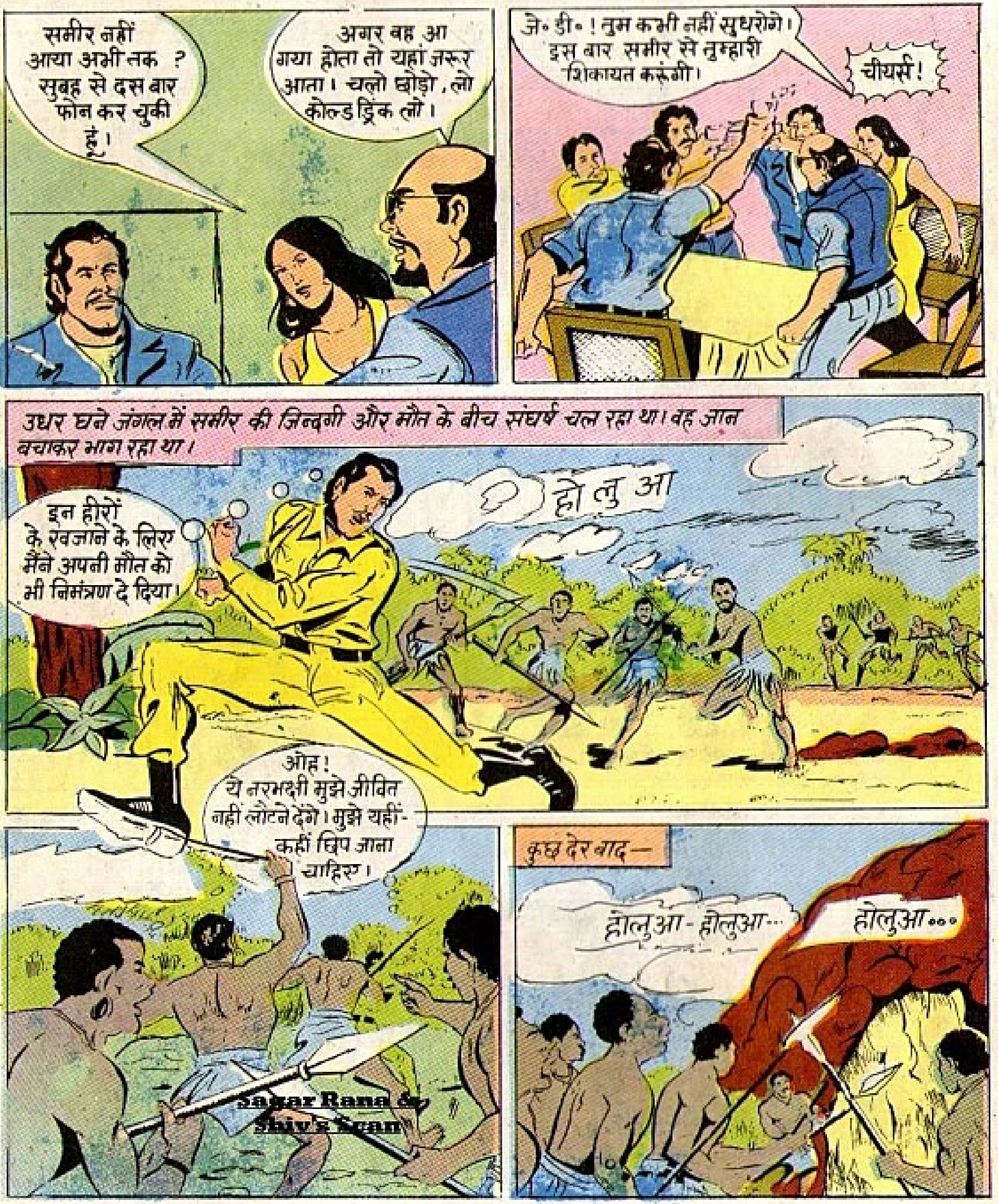
सम्पादक - अजय पल्लाहा
कथानक - मीनाक्षी शर्मा
चित्रांकन - नवीन खुराना



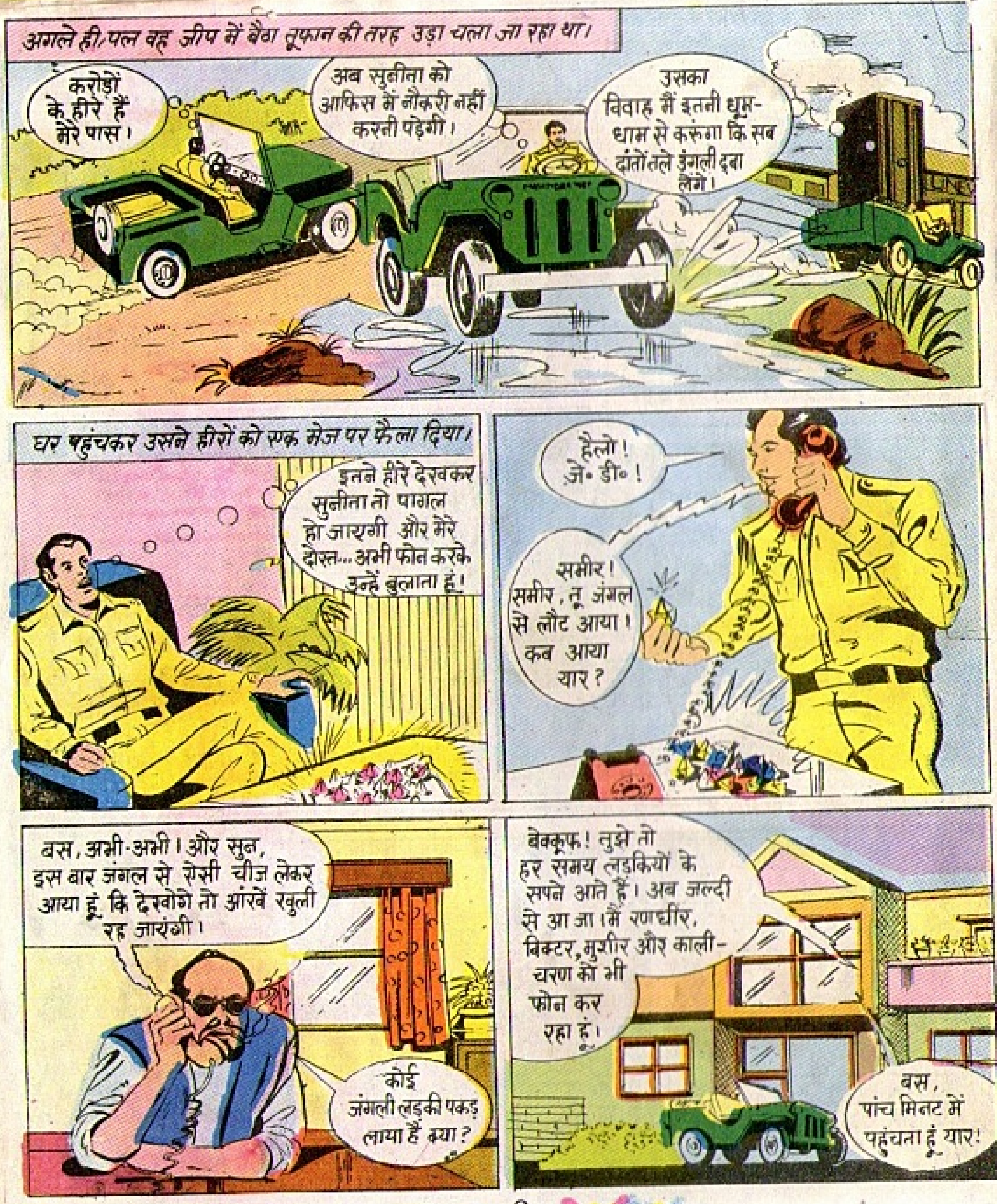

कई दिनों से समीर घर नहीं लौटा था। आफिस से घर लौटती सुनीता उसके बारे में सोच-सोचकर परेशान हो रही थी।
आज पांच दिन हो गए। समीर अभी तक घर नहीं लौटा। इस बार तो वह दोस्तों के साथ भी नहीं गया।
अबकी बार वह लौटकर आएगा तो उससे साफ कह दूंगी कि जंगलों में घूमना-फिरना बंद करदे, नहीं तो यह घर छोड़ दे।
कार से उतरने के बाद—
रामू काका! समीर का कोई फोन आया था क्या?
नहीं बिटिया! कोई फोन नहीं आया।
फिर वह जैसे ही ड्राइंगरूम में पहुंची—
ट्रिन-ट्रिन
हैलो... कौन?
सुनीता! मैं हूं रणजीत...हमारे फॉरेस्ट ऑफिसर समीर कुमार जी कहां हैं?
Sagar Rana & Shiv's Scan



वह किसी जंगल में खाक छान रहे हैं...और कुछ पूछना है?
नहीं, बस यही पूछना था। हां, जब वह आ जाए तो हमें फोन कर देना।
इतना कहकर रणजीत ने रिसीवर पटक दिया।
क्या हुआ रणजीत? समीर जंगल से लौटा या नहीं?
तूने फोन पर सुना नहीं क्या? लगता है, साला इस बार जंगल में ही शहीद हो गया है।
ऐसा हो गया तो उसकी जास्मीन का क्या होगा?
जास्मीन का क्या होना है? समीर न सही, मैं तो हूं। हाय मेरी जान जास्मीन...
तभी कालबेल बजी...
...और रणजीत ने उठकर दरवाजा खोला–
हाय जास्मीन!
हाय, रबरी बॉडी!
जास्मीन! हम सब तुम्हें ही याद कर रहे थे।
हम सब नहीं, सिर्फ मैं तुम्हें याद कर रहा था।
ओह जे॰डी॰! तुम अपनी शरारतों से बाज नहीं आओगे।
Sagar Rana & Shiv's Scan


समीर नहीं आया अभी तक ? सुबह से दस बार फोन कर चुकी हूं।
अगर वह आ गया होता तो यहां जरूर आता। चलो छोड़ो, लो कोल्ड ड्रिंक लो।
जे॰ डी॰ ! तुम कभी नहीं सुधरोगे। इस बार समीर से तुम्हारी शिकायत करूंगी।
चीयर्स!
उधर घने जंगल में समीर की जिन्दगी और मौत के बीच संघर्ष चल रहा था। वह जान बचाकर भाग रहा था।
इन हीरों के खजाने के लिए मैंने अपनी मौत को भी निमंत्रण दे दिया।
हो लु आ
ओह! ये नरभक्षी मुझे जीवित नहीं लौटने देंगे। मुझे यहीं-कहीं छिप जाना चाहिए।
कुछ देर बाद—
होलुआ-होलुआ...
होलुआ...
Sagar Rana & Shiv's Scan


तभी नरभक्षियों के मुखिया ने गुफा की ओर संकेत किया।
सभी तेज़ी से शोर मचाते हुए गुफा की ओर दौड़ पड़े।
लेकिन गुफा के द्वार पर पहुंच उन्हें ठिठक कर रुक जाना पड़ा—
गोलू-गोलू
गोलू-गोलू
फुस्स-फुस्स
गोलू गोलू
नरभक्षियों ने आपस में कुछ बातें की और वहां से लौट पड़े।
हो--- हो--- होलू लू...
नागदेवता ने समीर को नरभक्षियों से बचा लिया था।
लेकिन जंगल से लौटते हुए मौत की परछाईं अभी भी उसे घेरे हुए थी।
Sagar Rana &
Shiv's Scan


अगले ही पल वह जीप में बैठा तूफान की तरह उड़ा चला जा रहा था।
करोड़ों के हीरे हैं मेरे पास।
अब सुनीता को आफिस में नौकरी नहीं करनी पड़ेगी।
उसका विवाह मैं इतनी धूम-धाम से करूंगा कि सब दांतों तले उंगली दबा लेंगे।
घर पहुंचकर उसने हीरों को एक मेज पर फैला दिया।
इतने हीरे देखकर सुनीता तो पागल हो जाएगी और मेरे दोस्त... अभी फोन करके उन्हें बुलाता हूं।
हेलो! जे॰ डी॰!
समीर! समीर, तू जंगल से लौट आया! कब आया यार?
बस, अभी-अभी। और सुन, इस बार जंगल से ऐसी चीज लेकर आया हूं कि देखोगे तो आंखें खुली रह जाएंगी।
कोई जंगली लड़की पकड़ लाया है क्या?
बेवकूफ! तुझे तो हर समय लड़कियों के सपने आते हैं। अब जल्दी से आ जा। मैं रणधीर, विक्टर, मुनीर और काली-चरण को भी फोन कर रहा हूं।
बस, पांच मिनट में पहुंचता हूं यार!


कुछ ही देर बाद –
अरे यार! तूने तो सचमुच कमाल कर दिया। करोड़ों के हीरे तो होंगे ही ये।
हम तो समझते थे कि कैमरा गले में लटकाए तू यूं ही जंगलों की खाक छानता फिरता है।
तो फिर क्यों न इस खुशी के उपलक्ष में किसी फाइव स्टार में जोरदार पार्टी हो जाए।
अब तो मैं तुम्हें पूरे महीने फाइव स्टार में पार्टी दे सकता हूं।
फाइव स्टार को मारो गोली। आज तो यहीं कॉकटेल होना चाहिए।
सुनीता आफिस से लौटेगी तो बहुत गुस्सा करेगी।
सुनीता को मैं समझा दूंगा। कह दूंगा तुम्हारे लौटने की खुशी में पार्टी हो रही है।
हां... हां... सुनीता कुछ नहीं कहेगी।
अरे यार! इससे ज्यादा खुशी का दिन और नहीं हो सकता।
Sagar Rana & Shiv's Scan
फिर उन्होंने समीर को व्हिस्की लाने के लिए बाहर भेज दिया।



कुछ देर बाद–
यार जे॰ डी॰! यह समीर तो बहुत बड़ा आदमी बन गया।
हां, अब इसके पास कार-कोठी सब कुछ होगी।
कुछ दिनों बाद तो यह हमें पहचानने से भी इंकार कर देगा।
कुछ भी हो, समीर ने तो अपना भाग्य ही बदल डाला।
नहीं, मैं चाहूं तो समीर के भाग्य को बदल कर उसे फुटपाथ पर खड़ा कर दूं।
यह नहीं हो सकता। अब कोई समीर का भाग्य नहीं बदल सकता।
मैं बदल सकता हूं। आज ही... सुनो, मेरे पास एक तरकीब है।
फिर जे॰ डी॰ की तरकीब सुनकर सभी खुशी से उछल पड़े और ...
...समीर के लौटकर आने तक पूरी तरह तैयार हो गया। उसके आने पर कॉकटेल शुरू हुई।
चीयर्स...
चीयर्स
चीयर्स



फिर वे उसे
बेइन्तहा शराब पिलाने लगे।
ले समीर, एक पैग और पी यार!
नहीं यार, अब बस कर। मैं बहुत पी चुका हूं।
नहीं, एक पैग तो तुझे मेरे हाथ से लेना ही पड़ेगा।
हां समीर, बस एक पैग।
ठीक है, लाओ!
जल्द ही—
यह बेहोश हो गया जे॰डी॰! जल्दी से इसकी जेब से अलमारी की चाबी निकाल!
जे॰डी॰ ने समीर की जेब से चाबी निकाल ली।
यह रही! अब समीर नहीं, हम करोड़पति बनेंगे
फिर उसने अलमारी खोलकर हीरों का बैग निकाला।
हीरे...करोड़ों रुपए के हीरे। अब हमारे पास भी सब कुछ होगा...कार, कोठियां और...
तभी—
नहीं जे॰डी॰! कुछ नहीं होगा तेरे पास। बैग को अलमारी में रख दे।

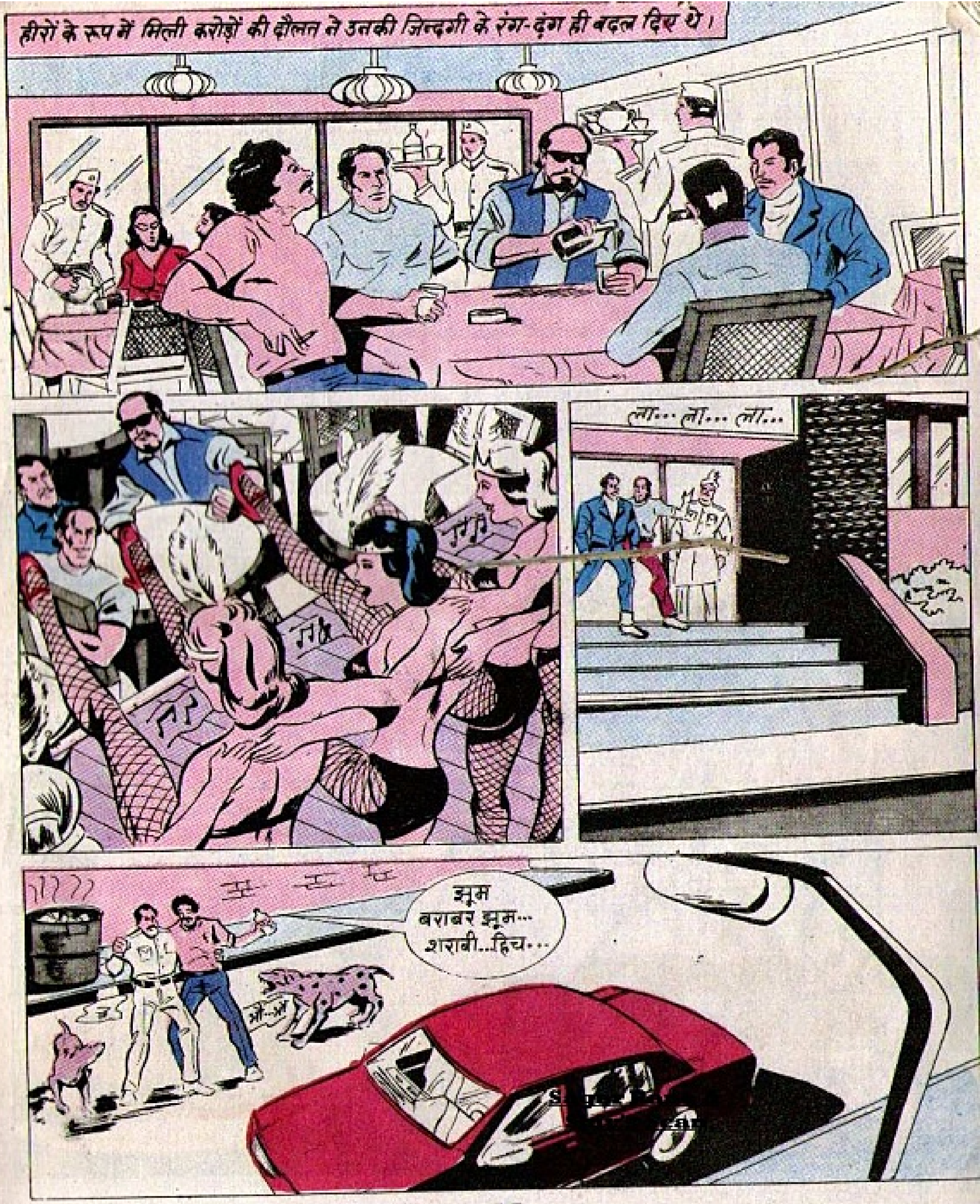

जे॰ डी॰ ने चौंक कर पीछे की ओर देखा—
हाथ में आई दौलत को जे॰ डी॰ कभी वापस नहीं करता।
लेकिन यह दौलत मेरी है, सिर्फ मेरी! इसे मैं लाया हूं, अपनी जान को जोखिम में डालकर।
हा...हा...हा...! दौलत उसी की होती है, जिसके हाथ में होती है।
नहीं, मैं तुम्हें अपनी दौलत छूने भी नहीं दूंगा!
अगले ही पल—
तड़ाक
?!
आह!
खट
तूने मुझे थप्पड़ मारा। साले! अब इन हीरों के साथ-साथ तेरी जान भी लूंगा।
Sagar Rana & Shivik Scan
चाकू लिए जे॰ डी॰ आगे बढ़ा—
जे॰ डी॰! आगे मत बढ़। ये हीरे मेरे हैं। मैं लाया हूं इन्हें। काली, विक्टर, इसे रोको यार।
इतना कहकर समीर ने जे॰ डी॰ पर हीरों का बैग दे मारा।
लेकिन जे॰डी॰ ने स्वयं को बचाते हुए अपना वार कर दिया।
खच्चाक
आह!


फिर जे० डी० ने लगातार कई प्रहार किए।
कुत्तो! यह दौलत तुम्हें नहीं मिलेगी। तुम सब कुत्ते की मौत मरोगे। आह ऽऽऽ
खच्च
खच्चाक
खच्च
फिर समीर लड़खड़ाकर जमीन पर गिर पड़ा।
मर गया साला! रणजीत, हीरों का बैग उठाओ और यहां से भाग चलो। सुनीता किसी भी समय आ सकती है।
रणजीत बैग की तरफ बढ़ा—
!?
?!
??
समीर! अब दिखाओ जंगल से लाए हीरे? ओह! तुम सब पहले ही पहुंच चुके हो। समीर कहां है?
तभी सुनीता की नज़र उनके पांवों पर पड़ी—
खून... तुम्हारे पांवों के पास खून कहां से आ गया?
अगले ही पल—
कमीनो! तुमने हीरों के लालच में मेरे भाई को मार डाला। मैं तुम्हें जिन्दा नहीं छोड़ूंगी...


...तुम सबको फांसी पर चढ़वा दूंगी।
क्रोध से फुंफकार उठी सुनीता–
मार डालूंगी।
आह! मुझे बचाओ जे॰डी॰!
जे॰डी॰ सुनीता की तरफ दौड़ा और–
खचाक
आ sss ई sss
घायल सुनीता तेजी से एक ओर भागी।
बचाओ ऽऽ
जे॰डी॰! इसे रोको, वरना यह शोर मचाकर लोगों को इकट्ठा कर लेगी।
सुनीता हम लोगों के लिए फांसी का फंदा बन सकती है।
चोट खाई नागिन बहुत खतरनाक होती है।
अब इसे जीवित नहीं छोड़ना चाहिए।
Sagar Rana & Shiv's Scan


तुम ठीक कहते हो! मैं इसे जीवित नहीं छोड़ूंगा... आओ, मेरे साथ!
सभी दौड़कर पास वाले कमरे में पहुंचे-
हैलो! पुलिस... आ...
रिसीवर क्रेडिल पर पटक जे० डी० ने निरन्तर कई वार किए सुनीता पर-
आह!
तुम... सब मरोगे... कुत्तो... कुत्ते की... मौत... आह!
भौं-भौं
अगले ही पल सुनीता के प्राण निकल गए।
भौं-भौं
जे० डी० चाकू को बैग में रखो... और फूट लो यहां से।


लेकिन अभी वे कमरे से बाहर निकल भी नहीं पाए थे कि कुत्ते ने जंजीर तोड़ी और —
बचो जे॰डी॰ !
भौं भौं
जे॰डी॰ का चाकू वाला हाथ तेजी से हवा में लहराया...
...और–
खच्च
भौं SSS
गूं SSS
खच्च
खचाक
चाकू के प्रहारों से कुत्ता बुरी तरह घायल हो गया। अन्ततः—
मर साले!
अपने मालिकों का बदला ले रहा था। मर गया साला।
फिर वे निर्विघ्न वहां से निकल गए।

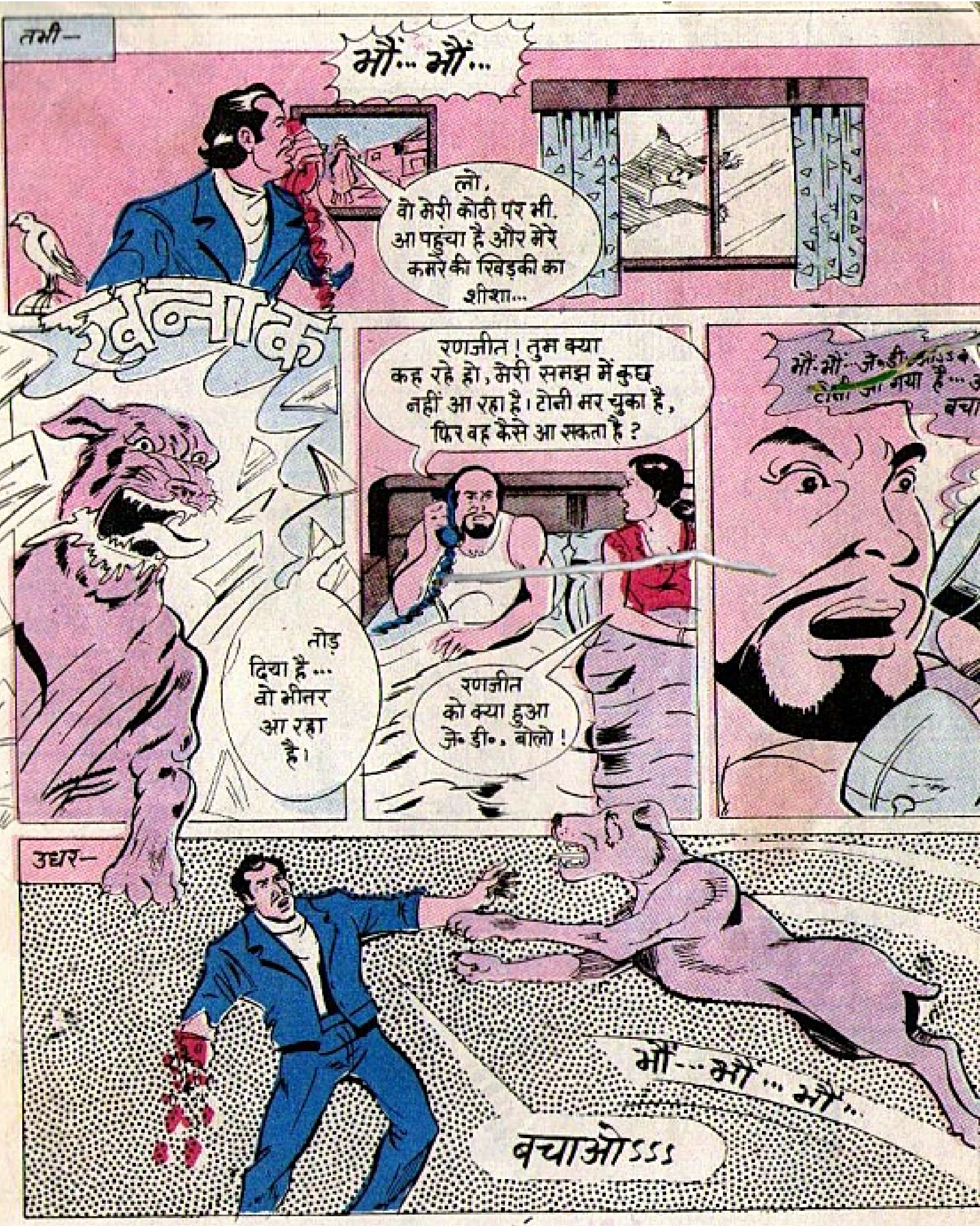


हीरों के रूप में मिली करोड़ों की दौलत ने उनकी जिन्दगी के रंग-ढंग ही बदल दिए थे।
ला... ला... ला...
झूम बराबर झूम... शराबी...हिच...


ऐसी ही एक रात रणजीत कार से घर लौट रहा था।
तभी
भौं-भौं
धाड़
कार पटरी के पास लगे एक खम्भे से टकराई।
धाड़
रणजीत कार से बाहर निकला—
बच गया। कार को भी ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा।
फिर उसने दूर पड़े उस कुत्ते को देखा—
मर गया साला! मुझे भी मरवा देता, लेकिन ऊपर वाले ने बचा लिया।
Sagar Rana & Shiv's Scan


रणजीत को वह कुत्ता कुछ जाना-पहचाना सा लगा।
अरे! यह तो समीर के कुत्ते टोनी जैसा है।
वह मुड़कर जाने ही वाला था कि—
भौं... भौं...
अरे! यह तो जीवित है।
अचानक कुत्ता रणजीत की तरफ झपटा—
भौं-भौं!
आऽऽऽ
भौं-भौं!
कहीं यह पागल तो नहीं हो गया?
वह तेजी से कार की ओर भागा और दरवाजा खोलकर भीतर घुस गया।
उफ!
Sagar Rana &
Shiv's Scan


एक पल बाद ही—
UNEWORK GROUP
भौं-भौं
READ PARAMPRA
घर पहुंचकर उसने जे॰डी॰ को फोन किया।
जे॰डी॰! आज तो कमाल हो गया। रास्ते में एक कुत्ता मेरी कार से टकराया और मर गया।
तो इसमें कमाल की क्या बात है? तुम्हारी कार से टकराकर तो हाथी भी मर सकता है।
अरे, सुनो तो... उस कुत्ते की शक्ल समीर के कुत्ते टोनी जैसी थी।
लगता है, तूने बहुत ज्यादा पी रखी है।
नहीं यार! मेरी बात तो सुन! उस मरे हुए कुत्ते ने मुझ पर हमला भी किया था। कार के एक शीशे पर उसके पंजों के निशान भी मौजूद हैं। वह काफी दूर तक कार के पीछे दौड़ा भी था।
लगता है, किसी थ्रिलर फिल्म की कहानी सुनाकर तुम मुझे परेशान करना चाहते हो।


तभी—
भौं... भौं...
लो, वो मेरी कोठी पर भी आ पहुंचा है और मेरे कमरे की खिड़की का शीशा...
खनाक
तोड़ दिया है... वो भीतर आ रहा है।
रणजीत ! तुम क्या कह रहे हो, मेरी समझ में कुछ नहीं आ रहा है। टोनी मर चुका है, फिर वह कैसे आ सकता है ?
रणजीत को क्या हुआ जे॰ डी॰, बोलो !
भौं-भौं... जे॰डी॰... आ गया है...
बचा
उधर—
भौं... भौं... भौं...
बचाओऽऽऽ


और फिर देखते ही देखते टोनी का वीभत्स चेहरा परिवर्तित होने लगा।
हर्र्ऽऽऽ
मैंने कहा था न... तुम सब कुत्ते की मौत मरोगे।
बचाओऽऽ नहींऽऽऽ
Sagar Rana & Shiv's Scan


जब जे॰डी॰ वहां पहुंचा तो रणजीत लाश में बदल चुका था।
रणजीत... रणजीत... नहींऽऽऽ
फिर जे॰डी॰ ने फोन करके पुलिस को बुला लिया।
रणजीत ने मुझे फोन किया था और जब मैं यहां पहुंचा तो...
ठीक है, हम लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज रहे हैं।
बाकी दोस्त भी वहां पहुंच गए थे।
लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।
Sagar Rana &
Shiv's Scan


दूसरे दिन पोस्टमार्टम-रिपोर्ट आई तो सभी जे॰डी॰ के घर पहुंचे—
पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में स्पष्ट लिखा है कि रणजीत की मृत्यु किसी कुत्ते के काटने और अधिक खून बहने से हुई है।
लेकिन यह कैसे हो सकता है?
मेरी समझ में तो यह भूत-प्रेत का चक्कर बिल्कुल नहीं आ रहा।
इसमें न समझ में आने वाली क्या बात है? जिस टोती को हमने मारा था, उसकी आत्मा ने बदला लिया है।
बकवास बंद करो! मरने वाला मर गया, हम क्यों डरें? हमें खूब मौज-मस्ती से जीना चाहिए। लो, पियो साथियो!
और फिर—
किरण भाभी! भूलना नहीं, कल मेरी बर्थडे पार्टी है। कोई बहाना नहीं चलेगा।
नहीं, मैं अवश्य आऊंगी। इन्हें भी अपने साथ लाऊंगी।
यार, मेरे लिए चिकन का प्रबंध करके रखना।
सब खुशी-खुशी विदा हुए—
विक्टर! मारिया को भी अपने साथ लाना।
क्यों नहीं भाभी! मारिया को कैसे छोड़कर आ सकता हूं। बॉय!


उन्हें विदा कर दोनों शयनकक्ष में पहुंचे—
जे॰ डी॰! कुत्ते की आत्मा ने रणजीत को क्यों मारा?
कुछ नहीं, बस एक कुत्ता उसकी कार के नीचे आकर मर गया और रणजीत को उसकी आत्मा का वहम हो गया।
तो क्या पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के अनुसार सचमुच कुत्ते की आत्मा ने बदला लिया है रणजीत से?
छोड़ो इन बेकार की बातों को और सो जाओ। मुझे जोरों से नींद रहा है।
फिर जे॰ डी॰ ने सोने की बहुत कोशिश की लेकिन उसे नींद न आई।
भौं-भौं
बहुत देर तक उसके कानों में टोबी के स्वर गूंजते रहे।
उधर विक्टर अपने फ्लैट में पहुंचा।
सॉब! मारिया मेम सॉब का फोन आया था। आज रात वह अपनी फ्रेण्ड के घर रहेंगी, आप खाना खा लो।
नहीं रहने दो, मैं बाहर से खाकर आया हूं।
सॉब, आज मुझे कहीं जाने का है। कल जरूर आ जाऊंगी।
जाओ लेकिन कल जरूर आ जाना, नहीं तो मारिया गुस्सा करेगी।


रोजी को गए अभी कुछ ही देर हुई थी कि फोन की घण्टी घनघना उठी। विक्टर ने रिसीवर उठाया।
ओह विक्टर! तुम आ गए। कितनी बार फोन कर चुकी हूं। खैर, अब जल्दी से तैयार होकर आ जाओ।
लेकिन मैं वहां क्या करूंगा?
इधर मेरी फ्रेण्ड है न डिसिल्वा! उसकी बर्थडे पार्टी है। मैं उसके घर से ही बोल रही हूं...
...डिसिल्वा बहुत जिद कर रही है। डियर, तुम जल्दी से यहां आ जाओ।
अच्छा बाबा! अभी आ रहा हूं। डिसिल्वा से कह देना, आज उसके साथ खूब डांस करूंगा।
फिर विक्टर तैयार होने होने के लिए बाथरूम की तरफ चल दिया।
पर उसने अभी नहाना शुरू ही किया था कि काल बेल बज उठी।
ट्रिन ट्रिन
ओह! इस समय कौन आ गया? दरवाज़ा खोलकर देखता हूं।
तौलिया लपेटकर वह बाथरूम से निकला और बाहर का दरवाजा खोल दिया।
अरे, डिसिल्वा तुम? लेकिन तुम यहां कैसे?
क्यों? मैं अपनी फ्रेण्ड से मिलने नहीं आ सकती क्या?
लेकिन मारिया ने तो अभी फोन पर बताया था कि तुम्हारी बर्थडे पार्टी चल रही है।
मेरी बर्थडे पार्टी? अरे, इसं बहाने मारिया तुम्हें अपने पास बुला रही होगी, लेकिन मैं तुम्हारे पास आ गई।
विक्टर उलझन में पड़ गया।
मेरी समझ में नहीं आ रहा कि मारिया ने तुम्हारी बर्थडे पार्टी की बात क्यों कही?
अब इन बातों को छोड़ो। जल्दी से कपड़े बदल कर आओ। मैं चाय तैयार करती हूं।


डिसिल्वा और
किचन की ओर बढ़ गई विक्टर बाथरूम में घुस गया।
नहींsss
तभी-
अरे, डिसिल्वा को क्या हुआ?
विक्टर बाथरूम से बाहर निकला ही था कि-
विक्टर! किचन में एक भयानक कुत्ता है।
कुत्ता?
विक्टर अभी कुछ बोल पाता कि कमरे में एक भयंकर कुत्ते ने प्रवेश किया।
भौं-भौं!
टोनी!?
पलक झपकते ही विक्टर ने अलमारी में रखी रिवाल्वर निकाल ली और-
हां, विक्टर! मार डालो इसे!
मैं तुझे मार डालूंगा।
भौं... भौं...
अगले ही पल उसकी रिवाल्वर शोले उगलने लगी-
भौं... भौं...
धांय
धांय


गोलियों की बौछार ने टोनी को धराशायी कर दिया।
मर गया। डिसिल्वा, मैंने टोनी को मार डाला।
लेकिन डिसिल्वा वहां कहां थी?
अरे! डिसिल्वा कहां गई? ओह! बाथ-रूम में है।
विक्टर बाथरूम में प्रविष्ट हुआ।
डिसिल्वा, मैंने कुत्ते को मार डाला!
तभी डिसिल्वा घूमी और विक्टर के हलक से चीख निकल गई।
तुम? नहीं sss
बुरी तरह कांप उठा विक्टर। उसने पलटकर बाहर भागना चाहा, लेकिन—
हुर्र sss
खटाक
खट - खट -
हुर्र sss
किसने बंद किया दरवाजा? खोलो! ओह! यह तो हिलना भी नहीं।


यह दरवाज़ा नहीं खुलेगा विक्टर! अब तुम मरकर ही यहां से बाहर निकलोगे! हर्रर...
नहीं... मुझे छोड़ दो, मुझे क्षमा कर दो...
... सुनीता मैंने तुम्हें नहीं मारा था।
लेकिन तुम उन हत्यारों के साथ थे। अब तुम्हें कोई नहीं बचा सकता।
अगले पल सुनीता ने झपटकर विक्टर को अपने पंजों में जकड़ लिया और-
मैंने कहा था ना, तुम सब कुत्तों की मौत मरोगे!
धाड़
आऽऽऽ
कुछ पलों बाद वहां विक्टर की लाश पड़ी थी।
अगले दिन विक्टर की पत्नी मारिया जब घर पहुंची-
नहींऽऽऽ
विक्टर की मौत ने जे॰डी॰, मुशीर व कालीचरण को बुरी तरह हिलाकर रख दिया।
पोस्टमार्टम-रिपोर्ट में विक्टर की भी मौत का कारण कुत्ते का काटना लिखा है।
ओह! पता नहीं, ये सब क्या हो रहा है? मुझे तो लगता है कि टोनी की आत्मा हमें भी मार डालेगी।
Sagar Rana & Shiv's Scan



नहीं, ऐसा नहीं होगा। मैं एक ऐसे तांत्रिक को जानता हूं, जो इस आत्मा के प्रकोप से हमें बचा सकता है।
लेकिन किस-किस की आत्मा से बचोगे? यह क्यों भूलते हो कि तुमने तीन हत्याएं की हैं।
जे० डी०! क्यों न हम वे सब हीरे पुलिस को सौंप दें।
क्या बकते हो? पुलिस को हीरे सौंप कर क्या अपने गले में फांसी का फंदा डाल लें। नहीं, कभी नहीं।
कुछ देर बाद वैन रुकी और—
तुम चिन्ता न करो कालीचरण, मैं आज ही उस तांत्रिक से मिलकर सब कुछ ठीक कर लूंगा।
जे० डी०! मैं भी काली के साथ उतरूंगा।
जे० डी० उन दोनों को छोड़कर आगे बढ़ गया।
थोड़ी देर बाद—
पोस्ट मार्टम की रिपोर्ट से क्या पता चला? क्या विक्टर को भी कुत्ते की आत्मा ने मारा है।
समझ में नहीं आता कि पोस्ट-मार्टम वाले ऐसी रिपोर्ट क्यों देते हैं?
तुम मुझसे जरूर कुछ छिपा रहे हो? साफ-साफ बताओ, यह क्या चक्कर है?
इसमें बताने वाली क्या बात है? एक कुत्ता हमारी कार के नीचे आकर मर गया था। बस!
ओह! यह बात तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताई? मैं किसी तांत्रिक से मिलकर कोई उपाय करा देती।



मैं तांत्रिक के पास ही जा रहा हूं। तुम्हें चलना हो तो चलो।
ठीक है। मैं अभी तैयार होकर आती हूं। तुम फोन करके अपने दोस्तों को भी वहीं बुला लो।
कहकर वह अन्दर की ओर बढ़ गई।
शीघ्र ही दोनों एक तांत्रिक के सामने बैठे थे।
महाराज! उस आत्मा ने मेरे दो साथियों को मार डाला है।
हुम्म! कुत्ते की आत्मा से बचना चाहते हो...
...नहीं बचोगे तुम। कुत्ते की आत्मा अब तुम्हें भी मार डालेगी।
नहीं ऽऽऽऽ
महाराज! मेरे पति की रक्षा कीजिए। कोई उपाय बताइए।
कोई उपाय नहीं है। अब मौत ही इसे बचा सकती है, कुत्ते की मौत।
तांत्रिक टोनी में परिवर्तित हो गया...
भौं-भौं
नहींऽऽ
...और वह जे॰ डी॰ पर टूट पड़ा।
आहऽऽ बचाओऽऽ
कोई बचाओ... आह!
फिर पलक झपकते ही टोनी ने अपने भयंकर दांतों से उसकी गर्दन अलग कर दी।



जे॰ डी॰ से बदला लेने के बाद टोनी की आत्मा तांत्रिक को छोड़ गई। तभी कालीचरण व मुशरिर वहां पहुंचे।
??
टोनी की आत्मा ने जे॰ डी॰ को मार डाला काली भइया। मैं कुछ भी न कर सकी।
भाभी, धीरज रखो।
किरण द्वारा सब कुछ बताने पर–
भाभी! मैं नहीं मानता कि टोनी की आत्मा इस तांत्रिक में प्रवेश कर गई होगी। जरूर इस तांत्रिक ने जे॰ डी॰ की हत्या की है। मैं इसे जिन्दा नहीं छोड़ूंगा।
कालीचरण ने रिवाल्वर निकाल लिया।
फिर आगे बढ़कर उसने तांत्रिक को ठोकर मारी-
उठ कुत्ते! मैं तुझसे अपने दोस्त की हत्या का बदला लूंगा।
धक!
काली! इसे छोड़ दे, यह निर्दोष है।
लेकिन काली चरण नहीं माना और-
धांय धांय
आह!
उसी पल –
काली ऽऽऽ मुशरिर उधर देखो!
?!
नहीं ऽऽऽ
जे॰ डी॰ की सिर कटी लाश उठते देख दोनों बुरी तरह कांप उठे।


जे॰ डी॰ की लाश में टोनी की आत्मा प्रवेश कर गई है।
मैं इसे भी जीवित नहीं छोड़ूंगा, मार डालूंगा।
कालीचरण ने उस पर भी गोलियों की बौछार कर दी।
धांय धांय
धांय
धांय!
मुशीर, तुम किरण को लेकर कार में बैठो, मैं अभी आता हूं।
ओह! गोलियां खत्म हो गईं। अब मुझे भाग लेना चाहिए।
क्लिक
कालीचरण तेजी से कार की तरफ बढ़ा।
लेकिन लाश ने उसे कार तक नहीं पहुंचने दिया।
हर्र्ई ऽऽऽ
ओ... आह... नहींऽऽऽ
यह देख मुशीर ने कार को तेजी से दौड़ा दिया।
फिर देखते ही देखते काली का शरीर कई टुकड़ों में बंट गया।
लेकिन अभी कोई कुछ बात पाता कि...
टोनी!?
भौं...भौं... भौं...भौं...
उसी रात मुशीर नगर से दूर ट्रेन में बैठा कहीं चला जा रहा था। तभी–
ओह! क्या हुआ?
यह ट्रेन क्यों रुक गई?
...खिड़की का शीशा टूटा और–
छनाक


भौं...भौं...
टोनी मुशीर पर झपटा—
मैं मार डालूंगा तुझे--जिन्दा नहीं छोड़ूंगा।
उसी पल टोनी की आत्मा पास बैठी युवती में प्रविष्ट हो गई और—
उस युवती ने झपटकर मुशीर को पकड़ लिया।
नहीं...नहीं
बचाओ
फिर उसके लम्बे नाखून मुशीर की गर्दन में धंसते चले गए।
सभी यात्रियों के देखते ही देखते युवती ने मुशीर को लाश में परिवर्तित कर दिया।
Sagar Rana & Shiv's Scan

समाप्त


रम्परा कॉमिक्स में चवन्नी लाल की हास्य से
अबे नकखजूरे, लल्लू उस्ताद किसे कहा?
क्यों मजाक करते हो दादा...? ही...ही... ही... भला मैं आपको न पहचानूं! कहां रहे अब तक?
आंय... यह क्या सीबत है? लल्लू ताद भला मैं कब से गया? कहीं यह मजाक तो नहीं कर रहा?
अबे परचूनिए, यह लल्लू उस्ताद कौन है? किस खेत की मूली-गाजर है?
ही...ही...ही...गुरु मान गए, अभी तक तुम्हारी मजाक करने की आदत नहीं गई।
बेटे चाट पकौड़े! कहीं तुम आगरा से तो रिश्ता नहीं रखते?
उस्ताद! मैं यह कह रहा था कि बड़े दिनों में आये हो, जरा होशियार रहना, समझे!
होशियार रहें... क्या मतलब? क्या चक्कर है... फंस गए क्या?
Sagar Rana & Shiv's Scan
शीघ्र प्रकाशि

A. H. W. Parampara Series

बाल विकास की आधुनिक पत्रिका

बाल परम्परा

प्रवेशांक

- ★ विश्व का पहला जासूस कौन था?
- ★ [illegible] की कल्पना एक भिखारी ने की थी?
- ★ खेल चर्चा - ऐशेज की कहानी।
- ★ इनामी प्रतियोगिताएं।
- ★ शिक्षाप्रद कहानियां एवं सरस कविताएं।
- ★ अन्य स्थायी स्तम्भ।



72 पृष्टों की सचित्र पत्रिका

ब्लोअप
अनिल कुम्बले

Sagar Rana & Shiv's Scan

अपने प्रति आज ही सुरक्षित कराएं

मूल्य : 7/-